

आया. आया शिवरात्री त्यौहार  
भोला जी तेरी पूजा करूँ - SSSSS ॥ 2 ॥

आज हिमांचल के द्वारे आये  
रंग बराती. अड़. बड़ लाये  
बही केशों से- हो SSSSS  
बही केशों से जंगा की धार.. भोला जी...

आया. आया.....

भूत-प्रेत. बैताल. खबीसा.  
साकिनी. डाकिनी. जिंद-दुलीसा  
करें मिल के-हो SSSSS  
करें मिल के सभी जैकार.. भोला जी...

आया. आया.....

अंग भभूली. सारी समेटे  
रंग. बिरंगे. साँप लपेटे  
चली बिच्छू की-हो SSSSS  
चली बिच्छू की लंबी कतार... भोला जी...

आया. आया.....



दूल्हा-देख-के मैना उआई-

मंगल थाल कलश-भर लाई

औंगड़हानी-हो-sssss

औंगड़हानी खड़े उसके द्वार... भोलाजी...

आया-आया-...

बैठ रहे सब बारी-बारी-

लगे परोसन पुरनर नारी

रेंसी देखी-हो-sssss

रेंसी देखी न थी ज्योवनार... भोलाजी...

आया-आया-...

कोई खावे-कोई सोवे

कोई स्नान-कोई मुंह धोवे

बारे बूढ़े ने-हो-sssss

बारे बूढ़े ने दई कीक मार... भोलाजी...

आया-आया-...

बारी "श्री बाबा श्री" नेरों की आई

देखो खवासन क्यों चिल्लाई

दिया काले ने-हो-sssss

दिया काले ने जो फुफकार-- भोलाजी...

आया-आया-...